B.A. Part - I, Paper - I
Lecture - 28
Dr. Sunita Kumari, Assistant Professor
Marwari College, Darbhanga.

TOPIC सामाजिक गतिशीलता की परिभाषा और विशेषता

सामाजिक गतिशीलता (Social Mobility) सामाजिक परिवर्तन की ही एक अभिव्यक्ति है। जब सामाजिक संरचना में अथवा सामाजिक सम्बन्धों के प्रतिमान में कोई परिवर्तन होता है तब हम कहते हैं कि इसमें सामाजिक परिवर्तन हो गया है। इसी प्रकार जब इसी सामाजिक संरचना की किसी इकाई की स्थिति में परिवर्तन होता है तब उसे सामाजिक गतिशीलता कहते हैं। उदाहरण के लिए समाज में किसी सदस्य द्वारा अपनी सामाजिक स्थिति परिवर्तित करना ही गतिशीलता है। एक समूह की सदस्यता छोड़कर

दूसरे समूह की सदस्यता ग्रहण करना सामाजिक गतिशीलता है।

सामाजिक गतिशीलता की परिभाषा (Social Mobility Defined)

Social Mobility की परिभाषाएं विद्वानों ने इस निम्न प्रकार से दी हैं—

Fair child – "सामाजिक गतिशीलता से तात्पर्य व्यक्तियों की एक समूह से दूसरे समूह की ओर गति से है।" वास्तव में समूह परिवर्तन से व्यक्ति की स्थिति भी परिवर्तित हो जाती है, यह परिवर्तन सामाजिक गतिशीलता कहलाते हैं।

Sorokin – "सोरोकिन के अनुसार – "गतिशीलता का अर्थ किसी स्थिति में से परिवर्तन उत्पन्न हो जाना है जिससे नवीन सम्पर्क और प्रेरणाएं उत्पन्न हों इस प्रकार गतिशीलता को नवीन सामाजिक सम्पर्कों से सम्बन्धित 'स्थानीय परिवर्तन' कहकर परिभाषित किया जा सकता है।

सोरोकिन के अनुसार लिखो

मनुष्यों की स्थिति का ही गतिशीलता से सम्बन्ध नहीं बल्कि सामाजिक तथ्यों एवं मूल्यों में होने वाली गतिशीलता भी सामाजिक गतिशीलता ही कहलाती है।

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर यह कहा जा सकता है कि सामाजिक गतिशीलता से सामाजिक जीवन में पाये जाने वाले उस स्थानान्तरण की प्रक्रिया का बोध होता है जिसके अन्तर्गत समाज के सदस्य एक पद से दूसरे पद अथवा एक स्थान से दूसरे स्थान अथवा पेशे की ओर गतिमान होते हैं। संक्षेप में, संक्षेप में सामाजिक गतिशीलता समाज के सदस्यों की सामाजिक स्थिति पद या पेशे में होने वाले परिवर्तनों की परिचायक है।

सामाजिक गतिशीलता की विशेषताएँ (Characteristics of Social Mobility)

सामाजिक गतिशीलता की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं:—

Scanned by CamScanner

1. सार्वभौमिक प्रक्रिया (Universal Process) सामाजिक गतिशीलता एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है क्योंकि समाज में कुछ प्रकार की गतिशीलता के विभिन्न उदाहरण देखे जा सकते हैं। भारतीय जाति सामाजिक व्यवस्था में भी जातियों की स्थिति में परिवर्तन एक ऐसा ही ज्वलंत उदाहरण है, धर्म एवं जाति व्यवस्था के अतिरिक्त आर्थिक, राजनैतिक, व्यावसायिक तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में भी प्रकार की गतिशीलता के अनेक उदाहरण सर्वत्र देखे जा सकते हैं।

2. आंशिक नियंत्रण प्रक्रिया (Partially controlled Process) - सामाजिक गतिशीलता की प्रक्रिया पर विभिन्न प्रकार के नियंत्रण रहा करते हैं। साधारणतया एक स्थिति से दूसरी स्थिति में पहुँचने के लिए व्यक्ति को कुछ विशेष प्रतिरोधों का सामना करना पड़ता वास्तव में सामाजिक व्यवस्था एवं संगठन को सुदृढ़ बनाने हेतु इस प्रकार की गतिशीलता पर कुछ नियंत्रण रखना अनिवार्य भी है।

Scanned by CamScanner

Date
Page 5.

3. गति एवं दर सम्बन्धी विशेषता (Characteristic Relating Speed and Rate) — विभिन्न समाजों में सामाजिक गतिशीलता की गति एवं दर भिन्न भिन्न होती है। कुछ समाजों में गतिशीलता अधिक होती है तथा कुछ में कम होती है। भारतीय परम्परागत समाज में सामाजिक गतिशीलता अन्य देशों के समाजों की अपेक्षा कम है। अमेरिका के आधुनिक समाज में गतिशीलता अधिक है।

Sunita Kumari
18/5/20.